CHILAURI
joy of togetherness

चिलौरी प्रोजेक्ट

PIONEER DOM ACADEMY
POWERED BY ROXBOURG

चिलौरी प्रोजेक्ट महिलाओं का महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए सामूहिकता से आनंद के माध्यम से आर्थिक रूप से समर्थ बनने का प्रोजेक्ट है।

RuralCall

यह प्रोजेक्ट पायनियर डॉम अकादमी और रूरल काल द्वारा समर्थित है।

CHILAURI
joy of togetherness

चिलौरी कोरकू आदिवासी नृत्य है जिसे महिलाएं समूह में करती हैं। चिलौरी नृत्य आनंद का प्रतीक है। यह नृत्य हमें सिखाता है कि मिलजुलकर समूह में रहकर काम करने से सामाजिक, सांस्कृतिक आर्थिक समृद्धि आती है।

PIONEER DOM ACADEMY
POWERED BY POKBOURG
RuralCall

चिलौरी प्रोजेक्ट

मेरा नाम **वर्षा सोलंकी** है।

मेरा उद्देश्य हरदा जिले के 50 वन्य ग्रामों की आदिवासी महिलाओं को रोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है।

अभी हम 8 ग्रामों; आम्बा, महुखाल, बोथी, खात्माखेड़ा, बड़वानी, केलझिरी, राजस्व गाँव फुलड़ी और तहसील रहटगाँव की 9 आदिवासी महिलाओं सहित कुल 20 महिलाएं एक साथ काम कर रही हैं।

चिलौरी प्रोजेक्ट

समस्या/अवसर : जिला हरदा, मध्यप्रदेश के 50 वन्य ग्रामों के रहवासी रोजी-रोटी के लिए खेती पर निर्भर हैं। खेत छोटे होने और पानी के कमी से खेती के सहारे जीवन यापन कठिन है।

मजदूरी पर निर्भर होने से जीवन कठिन होता है, क्योंकि पूरे समय काम नहीं मिलता।

चिलौरी प्रोजेक्ट

CHILAURI
joy of togetherness

उद्देश्य : महिलाओं को कौशल आधारित काम से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना।

लक्ष्य : मार्च 2025 तक चिलौरी प्रोजेक्ट के माध्यम से 10 गाँवों की 50 महिलाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना।

कैसे? : सिलाई, कढ़ाई, परम्परागत चित्रकला, अन्य कौशल सहित स्थानीय स्त्रोत आधारित उत्पादों का प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ना।

PIONEER DOM ACADEMY
POWERED BY BOKBOURG

RuralCall

चिलौरी प्रोजेक्ट

उपलब्धि :

• अभी चिलौरी प्रोजेक्ट में 19 महिलाएं कपड़े के गाँधी बैग, सब्जी बैग, कुर्ती सहित महिलाओं के पहनने के कपड़े डिजाईन करने और सीलने का काम कर रही हैं।

चिलौरी प्रोजेक्ट

उपलब्धि :

• गाँधी बैग की बिक्री सात्विक फ़ूड फेस्टिवल अहमदाबाद में की गई। ट्राइबल म्यूजियम भोपाल में भी बैग सप्लाई किया गया।

चिलौरी प्रोजेक्ट

उपलब्धि :

स्थानीय वन्य उत्पाद महुआ के लड्डू , तेल और चाय बना कर पायलट प्रोजेक्ट के तहत सात्विक फ़ूड फेस्टिवल अहमदाबाद, भोपाल और स्थानीय स्तर पर बिक्री की गई है। पायलट प्रोजेक्ट काफी सफल रहा है।

चिलौरी प्रोजेक्ट

उपलब्धि :

स्थानीय प्रशासन द्वारा समय-समय पर आयोजित कार्यक्रम में हमें आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रम में स्टाल लगाकर प्रोडक्ट की बिक्री की जाती है।

चिलौरी प्रोजेक्ट

कार्य योजना (3 माह) :

- कपड़ों की कतरन से गोदड़ी और अन्य उपयोगी 5 प्रोडक्ट्स बनाना।
- प्रोडक्ट्स के लगातार आर्डर के लिए मार्केटिंग और सेल्स पर काम करके भोपाल और इंदौर में सेल्स पॉइंट जोड़ना।
- टीम में एक्सपर्ट डिज़ाइनर जोड़ना।

चिलौरी प्रोजेक्ट

कार्य योजना (एक साल) :

- चिलौरी प्रोजेक्ट में 50 महिलाओं को जोड़ना और उन्हें लगातार काम मिलता रहे यह सुनिश्चित करना।

चिलौरी प्रोजेक्ट

CHILAURI
joy of togetherness

आमंत्रण (योगदान):

- चिलौरी प्रोजेक्ट से जुड़ें और सामूहिकता से आनंद उठाएं, कैसे..
- समय का योगदान
- विशिष्ट स्किल जैसे – डिजाईन, मार्केटिंग, सेल्स, आईटी अन्य का योगदान
- चिलौरी प्रोजेक्ट के बारे में अन्य लोगों को बताने का योगदान

PIONEER DOM ACADEMY
POWERED BY BOKBOURG

RuralCall

चिलौरी प्रोजेक्ट

टीम से संपर्क करें :

मोबाइल नंबर :

वर्षा : 76173 75343

रामकृष्ण : 9424 40126

pioneerdom.in@gmail.com

www.pioneerdom.in

चिलौरी प्रोजेक्ट

CHILAURI
joy of togetherness

PIONEER DOM ACADEMY
POWERED BY BOKBOURG

RuralCall